जेएसपीएल फाउण्डेशन के सहयोग से विद्यार्थी डेस्क-बेंच पर कर सकेंगे पढ़ाई

रायगढ़। अंचल के ग्रामीण क्षेत्रों में शिक्षा प्रदान करने के साथ-साथ शिक्षा के लिए माकूल वातावरण तैयार करने जेएसपीएल फाउंडेशन बेहद ईमानदारी से प्रयास कर रही है जिससे शिक्षा के गुणवत्तापरक परिणाम परिलक्षित हो सकें। इसके लिए उन विद्यालयों में जहां शिक्षकों के अभाव में पढ़ाई बाधित होती है। वहां पर सामुदायिक शिक्षकों की उपलब्धता करवा कर पढ़ाई को निर्बाध रूप से गति प्रदान की जा रही है और अधोसंरचना विकास सुव्यवस्थित कर शिक्षा के लिए स्वस्थ वातावरण का निर्माण किया जा रहा है। इसी श्रृंखला में संयंत्र परिसर के आस-पास के ग्रामों के 16 शासकीय प्राथमिक एवं माध्यमिक विद्यालयों में विद्यार्थियों के बैठने के लिए कुर्सी-टेबल, डेस्क-बेंच व बुकशेल्फ तथा आलमारी उपलब्ध कराये गए हैं। विगत दिनों ग्राम मुरालीपाली, टीपाखोल, उच्चभिट्ठी, चिरईपानी, परसदा, किरोड़ीमल-नगर, कलमी, जोरपाली, कुसमुरा, कोसमपाली, बरमुड़ा, कोसमनारा सहित एसएसडी पूंजीपथरा एवं तुमीडीह गांव के शासकीय प्राथमिक एवं माध्यमिक विद्यालयों में जेएसपीएल फाउंडेशन ने अपने सामाजिक उत्तरदायित्व के क्रम में विद्यार्थियों के बैठने के लिए कुर्सी-टेबल, डेस्क-बेंच, आफिस टेबल व बुकशेल्फ तथा आलमारी उपलब्ध कराये हैं।



पढ़ाई-लिखाई के लिये मिली इस व्यवस्था से लगभग 1775 विद्यार्थी लाभान्वित होंगे। डेस्क-बेंच पाकर जहां विद्यार्थियों में उत्साह है। वहीं उनके अभिभावकों में भी हर्ष व्याप्त है। इसके पूर्व भी गांव के अन्य शासकीय विद्यालयों में डेस्क बेंच की सुविधा विद्यार्थियों को उपलब्ध कराई जा चुकी है। उल्लेखनीय है कि अंचल में शिक्षा के गुणात्मक सुधार के साथ-साथ समुचित स्वस्थ वातावरण के लिये गांव के विद्यालयों में स्कूल भवन उन्नयन व कमरों का निर्माण और बालक एवं बालिकाओं के लिए पृथक पृथक शौचालय निर्माण से विद्यालयों में बालिकाओं की उपस्थिति में भी सुधार आया है। गांव के विद्यालयों में पेयजल व्यवस्था भी सुनिश्चित की गई है। विद्यार्थियों को शिक्षा के लिये प्रोत्साहन के लिये छात्रवृत्ति, कोचिंग सुविधा भी मुहैय्या कराई जाती है जिससे कि अच्छे परिणाम सुनिश्चित हो सके। इसके अलावा गांव के नौनिहालों को प्री प्राइमरी शिक्षा देने के उद्देश्य से लिटिल एंजल केंद्र की शुरुआत की है जिसमें तीन से पांच वर्ष उम्र तक के बच्चे प्राथमिक शाला जाने के पूर्व प्री प्राइमरी शिक्षा खेल व मनोरंजन के माध्यम से दी जाती है। ग्रामीण क्षेत्र में नन्हे बच्चों के लिए यह अपनी तरह का अनूठा केंद्र है जिसमें बच्चों को अंग्रेजी माध्यम की नर्सरी स्कूल की तर्ज पर तैयार किया जा रहा है।